



Mr.



Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121521101

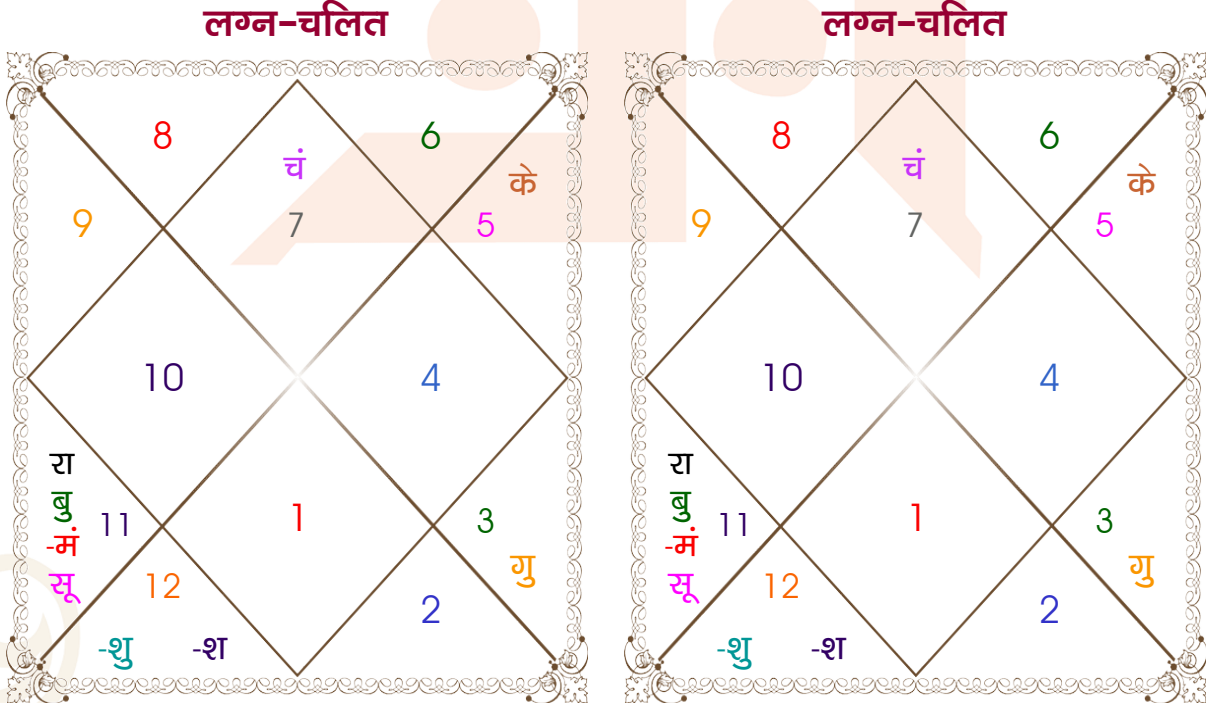
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
08/03/2026 :	जन्म तिथि	: 08/03/2026
रविवार :	दिन	: रविवार
घंटे 22:53:00 :	जन्म समय	: 22:53:00 घंटे
घटी 40:34:28 :	जन्म समय(घटी)	: 40:34:28 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:39:12 :	सूर्योदय	: 06:39:12
18:25:07 :	सूर्यास्त	: 18:25:07
24:13:29 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 24:13:29
तुला :	लग्न	: तुला
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: शुक्र
तुला :	राशि	: तुला
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शुक्र
विशाखा :	नक्षत्र	: विशाखा
गुरु :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
2 :	चरण	: 2
व्याघात :	योग	: व्याघात
गर :	करण	: गर
तू-तुकाराम :	जन्म नामाक्षर	: तू-तुष्टि
मीन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मीन
शूद्र :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
व्याघ्र :	योनि	: व्याघ्र
राक्षस :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: अन्त्य
सर्प :	वर्ग	: सर्प

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 4मा 10दि	23:01:48	तुला	लग्न	तुला	23:01:48	गुरु 10वर्ष 4मा 10दि
गुरु	23:55:09	कुंभ	सूर्य	कुंभ	23:55:09	गुरु
08/03/2026	24:41:54	तुला	चंद्र	तुला	24:41:54	08/03/2026
18/07/2036	10:36:18	कुंभ	मंगल	कुंभ	10:36:18	18/07/2036
00/00/0000	21:22:22	कुंभ	व बुध	व कुंभ	21:22:22	00/00/0000
08/03/2026	20:52:20	मिथु	व गुरु	व मिथु	20:52:20	08/03/2026
बुध 25/06/2027	08:36:23	मीन	शुक्र	मीन	08:36:23	बुध 25/06/2027
केतु 30/05/2028	08:25:56	मीन	शनि	मीन	08:25:56	केतु 30/05/2028
शुक्र 29/01/2031	14:41:37	कुंभ	व राहु	व कुंभ	14:41:37	शुक्र 29/01/2031
सूर्य 18/11/2031	14:41:37	सिंह	व केतु	व सिंह	14:41:37	सूर्य 18/11/2031
चन्द्र 19/03/2033	03:41:54	वृष	हर्ष	वृष	03:41:54	चन्द्र 19/03/2033
मंगल 23/02/2034	07:06:05	मीन	नेप	मीन	07:06:05	मंगल 23/02/2034
राहु 18/07/2036	10:30:33	मक	प्लूटो	मक	10:30:33	राहु 18/07/2036

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

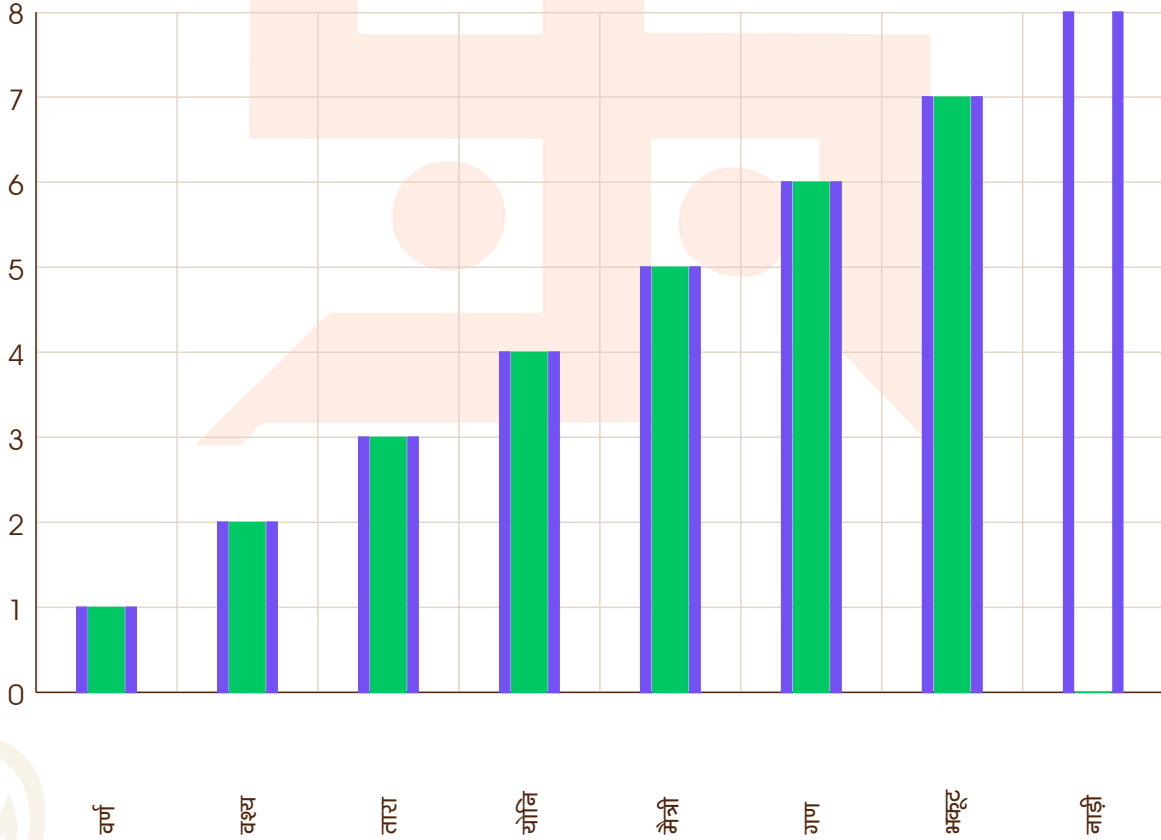
24:13:29 चित्रपक्षीय अयनांश 24:13:29



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	व्याघ्र	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	तुला	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

कुल : 28 / 36



अष्टकूट मिलान

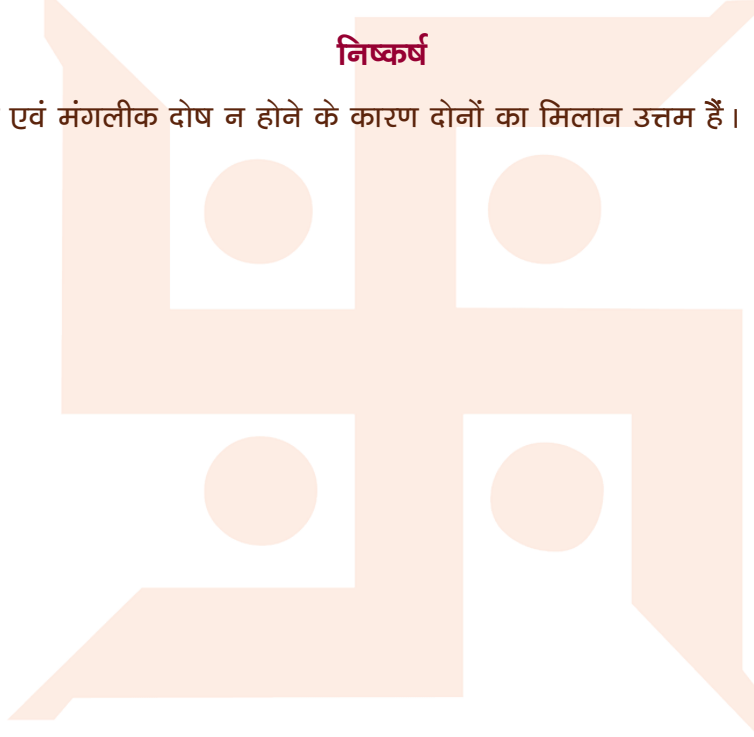
नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।
Mr. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।
Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।
Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr. का वर्ण शूद्र है तथा Ms. का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Mr. का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Ms. का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसन्द/नापसन्द तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr. की तारा जन्म तथा Ms. की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Mr. की योनि व्याघ्र है तथा Ms. की योनि भी व्याघ्र है। अर्थात् दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या का समधान

शीघ्र ही निकाल पाने में सझम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Mr. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Mr. का गण राक्षस है तथा Ms. का गण भी राक्षस है। अर्थात् Ms. का गण Mr. के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Mr. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Mr. एवं Ms. दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Mr. एवं Ms. तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Mr. की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms. की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr. एवं Ms. की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वास की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr. एवं Ms. की जन्म राशि वायुतत्व युक्त तुला राशि है। इसके प्रभाव से इन दोनों के मध्य स्वभावगत समानता रहेगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः शास्त्रीय दृष्टि से यह मिलान उत्तम रहेगा।

Mr. एवं Ms. की जन्म राशि का स्वामी शुक है। अतः Mr. एवं Ms. के संबंधों में मधुरता तथा मित्रता का भाव विद्यमान रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति सहानुभूति सहयोग तथा समर्पण का भाव होगा। वे एक दूसरे के गुणों की प्रशंसा करेंगे तथा सच्चे मित्र की तरह कमियों की उपेक्षा करके परस्पर सुख एवं शांतिमय वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी एक दूसरे को पूर्ण सहयोग देंगे तथा सहायता आदि करने के लिए भी सक्रिय रहेंगे।

Mr. और Ms. की जन्म राशि परस्पर प्रथम - प्रथम भाव में पड़ती है। यह शास्त्रानुसार शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से Mr. और Ms. की प्रवृत्तियां तथा अन्य मानसिक समानताओं में उभयनिष्ठता रहती है जिससे जीवन में उचित सामंजस्य बनाए रखने में वे सफलता प्राप्त करते हैं। अतः Mr. और Ms. का परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं सुख तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।

Mr. और Ms. दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी रुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी आवश्यकताएं समान रहेंगी। अतः काम संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

Mr. एवं Ms. दोनों का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं समान रहेंगी तथा अपने कार्यों को बिना किसी चुनाव के परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगे फलतः आर्थिक क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

धन

Mr. और Ms. का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग सामान्यतया प्रशस्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से Mr. और Ms. सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

Mr. को पैतृक सम्पत्ति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे। इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr. तथा Ms. दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यों को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Ms. को गले से संबंधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Ms. को यदा कदा यौन संबंधी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टिकोण से Mr. और Ms. का मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इसके प्रभाव से संतति प्राप्ति में किंचित विलम्ब होगा तथा बच्चों के जन्म के मध्य अंतर भी असमान्य रहेगा फलतः इनके पालन पोषण करने में Mr. और Ms. को असुविधा का सामना करना पड़ेगा लेकिन संतति में पुत्र संतति की संख्या कन्या संतति से अधिक रहेगी।

Ms. का प्रसव सामान्य रूप से सम्पन्न होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से अनावश्यक परेशानी या समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। अतः Ms. सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देंगी तथा स्वयं भी स्वस्थ एवं शांति की अनुभूति करेंगी फलतः ऐसे समय में पारिवारिक जन उनसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथापि सावधानी वश Ms. को गर्भावस्था में उचित डाक्टरी परीक्षण करवाते रहना चाहिए।

Mr. और Ms. अपने बच्चों की उत्साह जनक प्रगति से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। बच्चे भी अपनी योग्यता तथा बुद्धिमता तथा व्यवहार कुशलता से अपने क्षेत्र में सफलता एवं प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अन्य सामाजिक जन भी उनसे प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगे। माता पिता के प्रति बच्चों का पूर्ण सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन में वे सर्वदा तत्पर रहेंगे एवं उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. तथा उसकी सास के परस्पर संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। आयु में अधिक अन्तर होने के कारण इनके गहन मतभेद रहेंगे। लेकिन अन्य कोई भी समस्या इतनी गंभीर नहीं होगी जिनका कोई समाधान न हो। अतः यदि Ms. धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक सामंजस्यशील प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो सास से संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। अतः अपनी ओर से उन्हें उनकी पूर्ण रूप से सेवा तथा सुख सुविधाएं प्रदान करनी चाहिए।

ससुर के साथ Ms. के संबंध मधुर रहेंगे तथा अपने विनम्र व्यवहार सम्मान की

भावना तथा सेवा की प्रवृत्ति से उन्हें प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में प्रसन्न रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबंधों में प्रतिकूलता रहेगी तथा आपस में ईर्ष्या, प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Ms. का ससुराल में समय सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा तथा अन्य जनों को अपनी ओर से सन्तुष्ट रखने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

ससुराल-श्री

Mr. तथा सास के संबंधों में विशेष मधुरता का भाव नहीं रहेगा तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण दोनों के मध्य वैचारिक मतभेद रहेंगे लेकिन इनमें अधिक गंभीरता नहीं रहेगी। यदि Mr. तथा इनकी सास आपसी सामंजस्य तथा बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबंधों की मधुरता में वृद्धि हो सकती है।

लेकिन ससुर के साथ में Mr. के संबंध मधुर रहेंगे तथा उनके प्रति मान सम्मान तथा श्रद्धा का भाव रहेगा। साथ ही उनसे पिता के समान ही व्यवहार करेंगे। साथ ही वे भी Mr. को पुत्रवत स्नेह तथा वात्सल्य प्रदान करेंगे। Mr. समय समय पर अपने ससुर से आवश्यक तथा बहुमूल्य सलाह तथा निर्देश भी प्राप्त करते रहेंगे परन्तु साले तथा सालियों के साथ में संबंधों में तनाव तथा मतभेद रहेंगे तथा एक दूसरे के प्रति आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव रहेगा जिससे आपस में स्नेह सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से ससुरालवालों का दृष्टिकोण Mr. के प्रति अनुकूल ही रहेगा।